



आयुर्वेदिक तथा यूनानी तिब्बी चिकित्सा पद्धति बोर्ड उ०प्र०
धन्वन्तरि भवन, 7 लालबाग, लखनऊ 226001

दूरभाष
कार्यालय :-0522 4063540

वेबसाइट-www.bimup.org
ई मेल- bim.upup@gmail.com

पत्रांक 1074 / बोर्ड - सा०प्रशा० मान्यता (21-22) / 22

लखनऊ दिनांक 20-05-2022

सेवा में,

प्रबन्धक / सचिव
कृष्णा आयुर्वेदिक कालेज एण्ड हॉस्पिटल
ग्राम -कमलापुर पो०-छुटमलपुर जिला-सहारनपुर

विषय:- संस्था की मान्यता सत्र 2021-22 हेतु बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में ।

महोदय

हिन्द आयुर्वेदिक फार्मेसिस्ट प्रशिक्षण केन्द्र, सहारनपुर, धन्वन्तरि पैरा मेडि० इंस्टीट्यूट सहारनपुर एवं श्री शारदा आयु०फार्मे०एण्ड नर्सिंग इंस्टीट्यूट आजमगढ़ द्वारा मा० उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिकाओं में मा० न्यायालय द्वारा रिट याचिका संख्या 31121/2021 राष्ट्रीय विकास सेवा संस्थान(पैरा मेडिकल कालेज) वाराणसी -बनाम- राज्य सरकार एवं अन्य, में पारित आदेश की भौति दिनांक 31-03-2022 एवं 05-04-2022 को आदेश पारित किये गये । रिट याचिका संख्या 31121/2021 राष्ट्रीय विकास सेवा संस्थान(पैरा मेडिकल कालेज) वाराणसी -बनाम-राज्य सरकार एवं अन्य, में मा० उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा सुनवाई करते हुये दिनांक 20-01-2022 को आदेश पारित किये गये जिसका प्रभावी अंश निम्नवत है -

7. In absence of allegation of any adverse material against the petitioner and, in face of the provisional recognition granted for the earlier academic sessions and in view of the further statement made by learned counsel for the petitioner that the petitioner is willing to comply with the terms of the inspection within a period of one week from today, coupled with the fact that the respondents are not in a position to conduct the proposed inspections in a short time, before end of the current academic session, the present writ petition is disposed of with the following directions:

- (i) The petitioner shall deposit the inspection fee @ Rs. 25,000/- per course with respondent no.3 within a period of one week from today.
- (ii) The petitioner shall further file an affidavit seeking extension/continuance of recognition with respondent no.3 within the same time.
- (iii) Upon such compliance being made by the petitioner, respondent nos. 2 and 3 shall allow the petitioner to be provisionally recognized to run the courses -Ayurvedic Upacharika (G.N.M.) and Ayurvedic Pharmacy for the academic session 2021-22 as well.
- (iv) The benefit of the provisional recognition thus granted may inure to only such students who may have been granted admissions in accordance with law.
- (v) Upon the provisional recognition being granted, scholarship forms of the eligible students may be allowed to be uploaded on the relevant portal. Even at that stage, pending inspection, on prima facie

basis, the respondents may necessarily examine whether the admissions had been granted in accordance with law.

(vi) Petitioner shall wholly cooperate in the inspection that may be conducted by respondent no.2 as and when it may be scheduled.

(vii) If any objection is raised during such inspection, the petitioner shall be given an opportunity to cure the same and/or show cause before any final decision is made in that regard. The provisional recognition shall remain subject to the final recognition that may be granted by the respondents.

(viii) Any order that may be passed either refusing to grant extension of recognition or refusing to grant permanent recognition shall be based on adequate reasons dealing with the reply to the show cause notice that may be furnished by the petitioner.

8. Last, it is also expected respondents may attempt to conclude all inspections within a period of four months from today so that the issue of recognition may be concluded before the next academic year begins.

मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा पारित आदेश दिनांक 31-03-2022 एवं 05-04-2022 के अनुपालन हेतु बोर्ड की बैठक दिनांक 18-05-2022 में कार्यालय ज्ञाप संख्या 1686/ बोर्ड-सा0प्रशा0-मान्यता (21-22) दिनांक 03-12-2022 द्वारा निर्धारित तिथि दिनांक 15-12-2021 के उपरान्त पैनल शुल्क जमा करने वाले प्रशिक्षण केन्द्रों से शपथ पत्र प्राप्त कर सत्र 2021-22 हेतु अस्थाई मान्यता / सम्बद्धता निर्गत किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। बोर्ड द्वारा पारित प्रस्ताव के क्रम में मा0 न्यायालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपकी संस्था की मान्यता अस्थाई रूप से सत्र 2021-22 हेतु बढ़ायी जाती है। संस्था द्वारा दिनांक 15 जून 2022 तक अपनी प्रवेश सूची मय प्रपत्रों सहित बोर्ड कार्यालय को प्रेषित की जायेगी। प्रवेश सूची का परीक्षण करने के उपरान्त छात्रों को इनरोलमेण्ट नं0 निर्गत किया जायेगा। तथा ऐसे ही छात्र बोर्ड की परीक्षा में सम्मिलित हो सकेंगे। यदि कोई संस्था उपरोक्त तिथि तक प्रविष्ट छात्रों की सूची जमा नहीं करती है तो उस संस्था का सत्र शून्य माना जायेगा।

भवदीय,



(डा0 अखिलेश कुमार वर्मा)

रजिस्ट्रार 